अमर उजाला

बरेली
शुक्रवार, 16 जुलाई 2021
आषाढ़ शुक्ल-षष्ठी/सप्तमी
विक्रम संवत-2078

PAGE NO. 07 : MIDDLE RIGHT

एसआरएमएस सीईटी की बीटेक छात्रा अदिति को दूसरा स्थान

बरेली। एसआरएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीईटी) की बीटेक आईटी ब्रांच प्रथम वर्ष की छात्रा अदिति के अस्पतालों में वेस्टेज रोकने के सुझावों को एकेटीयू ने दूसरा स्थान प्रदान किया है। एकेटीयू ने अस्पतालों में आक्सीजन वेस्टेज, लीकेज और लॉस आदि रोकने के लिए विद्यार्थियों से सुझाव मांगे थे। इस संबंध में 14 जुलाई को घोषित परिणाम में अंतिम रूप से 18 विद्यार्थियों के सुझावों में टॉप-थ्री में अदिति की पीपीटी ने दूसरा स्थान बनाया। संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति और डीन डॉ. प्रभाकर गुप्ता ने अदिति को बधाई दी और कॉलेज पहुंचने पर सम्मानित किया।

दैनिक जागरण

बरेली, शुक्रवार
16 जुलाई, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18

PAGE NO. 06 : MIDDLE

आक्सीजन वेस्टेज पर प्रजेंटेशन चयनित

जासं, बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) में आइटी ब्रांच में बीटेक की प्रथम वर्ष की छात्रा अदिति मेहरोत्रा की प्रतिभा को डा. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय ने सलाम किया। टेक्निकल विश्वविद्यालय ने अस्पतालों में आक्सीजन वेस्टेज, लीकेज और लॉस पर छात्रा के प्रजेंटेशन को दूसरा स्थान दिया। इस उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति और डीन डा. प्रभाकर गुप्ता ने अदिति को बधाई दी है। गुरुवार को कालेज में छात्रा को सम्मानित किया गया।

छात्रा अदिति मेहरोत्रा का प्रजेंटेशन चयनित होने के बाद उन्हें कालेज में सम्मानित किया गया • सौ.एसआरएमएस

डीन डा. प्रभाकर गुप्ता ने बताया कि महामारी के दौरान अस्पतालों में आक्सीजन की कमी दूर करने के लिए डा. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय ने अपने संबद्ध सभी इंजीनियरिंग कालेजों के छात्रों से सुझाव मांगे थे। इसमें 150 से ज्यादा छात्रों ने सुझाव दिए। विवि से 18 छात्रों के सुझाव फाइनल राउंड के लिए चयनित किए गए। जुलाई के प्रथम सप्ताह में विवि की ज्यूरी के सामने चयनित विद्यार्थियों ने पीपीटी से आनलाइन अपने विचार प्रस्तुत किए। विवि ने अंतिम तीन के नाम बुधवार को घोषित किए। इसमें एसआरएमएस सीईटी की अदिति को दूसरा स्थान मिला। अदिति ने कहा कि उन्होंने अपना प्रजेंटेशन पाइपलाइन में आक्सीजन की लीकेज और ब्लाकेज पर फोकस किया था। अदिति ने इसका श्रेय सीईटी संस्थान, अपनी एचओडी मानवी मिश्रा और प्रोफेसर आशुतोष पांडेय, संजीव कुमार, अंजू खंडेलवाल को दिया।